पाठ - 9
पुष्प की अभिलाषा

Date: / /
Page:

प्रश्न-1 कविता की प्रथम चार पंक्तियाँ लिखिए।

उत्तर- चाह नहीं, मैं सुरबाला के
गहनों में गूँथा जाऊँ,
चाह नहीं, प्रेमी - माला में
बिंध प्यारी को ललचाऊँ।

प्रश्न-2 शब्दार्थ लिखिए -

(1) चाह - इच्छा
(2) सुरबाला - देव - कन्या
(3) गहना - आभूषण
(4) शव - मृत देह
(5) हरि - भगवान
(6) इठलाना - गर्व करना
(7) पथ - रास्ता
(8) वीर - योद्धा

प्रश्न-3 प्रश्न - उत्तर

(क) पुष्प की अभिलाषा क्या थी?

उत्तर- पुष्प की अभिलाषा यह थी कि उसे तोड़कर उस रास्ते में फेंक दिया जाए, जिस रास्ते से मातृभूमि पर बलिदान देने के लिए वीर पुरुष निकलने वाले हों।

(ख) पुष्प देवों के सिर पर भी क्यों नहीं चढ़ना चाहता है?

उत्तर- पुष्प देवताओं के सिर पर भी इसलिए नहीं चढ़ना चाहता है क्योंकि इससे उसकी अभिलाषा पूरी नहीं होगी।

(ग) पुष्प किस पथ पर बिछना चाहता है?

उत्तर- पुष्प उस पथ पर बिछना चाहता है जिस पथ पर मातृभूमि के लिए प्राण न्योछावर करने वाले वीर पुरुष निकलने वाले हों।

(घ) पुष्प के दिल में देशभक्तों के लिए क्या भाव है?

उत्तर- पुष्प के दिल में देशभक्तों के लिए यह भाव है कि अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों के बलिदान देने को सदा तैयार रहें।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो -

(क) पुष्प देव कन्याओं के गहनों की शोभा क्यों नहीं बनना चाहता?

उत्तर- पुष्प देव कन्याओं के गहनों की शोभा - इसलिए नहीं बनना चाहता क्योंकि देव कन्याओं के गहनों की शोभा बनने से उसकी अभिलाषा पूरी नहीं होगी।

(ख) पुष्प देवताओं के सिर चढ़कर भाग्यशाली क्यों नहीं बनना चाहता?

उत्तर- पुष्प देवताओं के सिर पर चढ़कर भाग्यशाली इसलिए नहीं बनना चाहता है क्योंकि वहाँ पहुँच कर उसकी अभिलाषा की पूर्ति नहीं होगी।

(ग) पुष्प माली से क्या इच्छा प्रकट करता है?

उत्तर- पुष्प माली से यह इच्छा प्रकट करता है कि वह उसे तोड़कर उस रास्ते पर डाल दे जिस रास्ते पर होकर मातृभूमि पर बलिदान देने के लिए वीर पुरुष निकलने वाले हों।

(घ) पुष्प किसके चरण स्पर्श करना चाहता है?

उत्तर- वे वीर पुरुष जो मातृभूमि के लिए अपने प्राणों को न्योछावर करने जा रहे हों, पुष्प उन्हीं वीर पुरुषों के चरण स्पर्श करना चाहता है।

(ग) पुष्प माली से क्या इच्छा प्रकट करता है?

(घ) पुष्प किसके चरण स्पर्श करना चाहता है?

2. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाओ-

(क) मातृभूमि के प्रति अनुराग **पुष्प** [✓] **काँटों** [ ] में भी है।

(ख) देशप्रेमियों की चरण धूल **पुष्प** [✓] **पेड़** [ ] पाना चाहता है।

(ग) मातृभूमि पर मिटना **सौभाग्य** [✓] **दुर्भाग्य** [ ] की बात है

3. जोड़े मिलाओ-

(क)	हमें देश और देशभक्तों से प्रेम करना चाहिए।	सम्मान (2)
(ख)	हमारे दिल में देशभक्तों के प्रति होना चाहिए।	पुष्प की तरह (1)
(ग)	अपनी मातृभूमि की सेवा ही है।	स्वर्ग (4)
(घ)	अपनी मातृभूमि से भी बढ़कर है।	सच्ची सेवा (3)

4. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाओ-

चाह - व्यक्ति का चाह पुष्प की तरह होना चाहिए।

पथ - पथ में आने वाली कठिनाइयों से डरना नहीं चाहिए।

शशि - हमारी वाणी शशि के समान शीतल होनी चाहिए।

मातृभूमि - हमें सदैव मातृभूमि की सेवा करना चाहिए।

वीर - वीर पुरुष मातृभूमि की रक्षा करते हैं।

भाषा कौशल

1. शब्द के जिस रूप से संज्ञा शब्द की एक या अधिक संख्या का पता चलता है, उसे वचन कहते हैं। वचन दो प्रकार के होते हैं- एकवचन एवं बहुवचन।

एकवचन	बहुवचन
दरवाज़ा	दरवाज़े
केला	केले

बाल, आँसू, हस्ताक्षर, प्राण, दर्शन, लोग आदि शब्द हमेशा बहुवचन में रहने वाले शब्द हैं।

निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन बनाओ-

सम्राट - सम्राटों

शव - शवों

माली - मालियों

गहना - गहनों

देव - देवों

वन - वनों

2. दिए गए शब्दों के लिए सही पर्यायवाची पर (✓) का निशान लगाओ-

(क) पुष्प

(अ) पराग ☐ (ब) प्रभात ☐ (स) कुसुम ☑

(ख) पथ

(अ) मार्ग ☑ (ब) प्रमाण ☐ (स) प्रदर्शन ☐

(ग) देव

(अ) ज्योति ☐ (ब) पूजा ☐ (स) भगवान ☑

(घ) अभिलाषा

(अ) आवरण ☐ (ब) कामना ☑ (स) ओज ☐

(ङ) गहना

(अ) जेवर ☑ (ब) बिंदी ☐ (स) हार ☐

रचनात्मक कौशल

1. पुष्प की अभिलाषा कविता का उद्देश्य क्या है?